दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 23 मई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 234

महत्वपूर्ण एवं खास

सीबीएसई के डिप्टी सेक्रेटरी ने की आत्महत्या

गाजियाबाद (आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के डिप्टी सेक्रेटरी वेंकटेश सिंह ने रविवार को फांसी लगाकर जान दे दी। गाजियाबाद के कौशांबी क्षेत्र स्थित सुमेरू सोसाइटी के फ्लैट में उनका शव फांसी पर चादर के सहारे लटका मिला। वे सीबीएसई मुख्यालय दिल्ली में कार्यरत थे और करीब दो महीने से ऑफिस नहीं जा रहे थे। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में उन्होंने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं बताया है। ये भी लिखा है कि वे अपनी बीमारी से परेशान आ चुके थे। नोट में उन्होंने अपनी फैमिली और ऑफिस वालों की तारीफ की है। सुसाइड नोट के आधार पर यही माना जा रहा है कि वे बीमारी को लेकर तनाव में थे। वेंकटेश सिंह मूलत: गोरखपुर जिले के रहने वाले थे और गाजियाबाद की सुमेरू सोसाइटी के फ्लैट में अकेले रहते थे। रविवार सुबह करीब 9 बजे मेड काम करने के लिए पहुंची। दरवाजा नहीं खुलने पर उसने परिजनों को सूचित किया। इसके बाद सोसाइटी के सिक्योरिटी गार्ड को बुलवाकर बलपूर्वक दरवाजा खोला गया। फ्लैट के स्टडी रूम में वेंकटेश सिंह की लाश फांसी पर लटकी हुई थी। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव को गोरखपुर ले गए।

कार और ट्रक की आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत, एक ही परिवार के 5 लोगों की दर्दनाक मौत

देवरिया (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के देवरिया में भाटपाररानी पुलिस चौकी के फुलवरिया चौराहे पर सोमवार को कार और ट्रक की टक्कर में एक ही परिवार की चार महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सुबह करीब 10.30 बजे हुआ जब विपरीत दिशा से आ रहे एक कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई।घटना के बाद मौके पर लोग जमा हो गए और ट्रक चालक को पकड़ लिया। मरने वाले सभी रुद्रपुर के रहने वाले हैं। वे पूजा के लिए बिहार के मैरवा जा रहे थे। मृतकों की पहचान प्रमिला देवी (50), त्रिशूल (40), गीता (45), सिद्धि (35) और रिपुसूदन (3) के रूप में हुई है। देवेश, अंजना और गुडिय़ा घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तरी कैलिफोर्निया में 5.6 तीव्रता का भूकंप

लॉस एंजेलिस। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, उत्तरी कैलिफोर्निया तट पर रिक्टर पैमाने पर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूएसजीएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भूकंप यूरेका के पश्चिम-उत्तरपश्चिम में 74.3 मील और हम्बोल्ट काउंटी के पास पेट्रोलिया से 63.5 मील पश्चिम में दर्ज किया गया था। पहली बार सुबह 11.44 बजे 5.6 की प्रारंभिक तीव्रता के साथ रिपोर्ट किया गया था और बाद में इसे घटाकर 5.5 कर दिया गया। भूकंप फेरनडेल, लोलेटा, फोटुर्ना, व्हाइटहॉर्न और यूरेका में महसूस किया गया था। किसी के घायल होने या नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। गौरतलब है कि कैलिफोर्निया और नेवादा में प्रति वर्ष 5.0 और 6.0 के बीच परिमाण वाले औसतन पांच भूकंप आते हैं।

अंतरिक्ष में सीधे रूस से होगा मुकाबला, जुलाई में लॉन्च होगा चंद्रयान -3

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों ने कहा है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 12 जुलाई को चंद्र मिशन चंद्रयान -3 के तीसरे एडिशन को लॉन्च करने की उम्मीद है। हालांकि, इसरो ने आधिकारिक तौर पर तारीखों की पुष्टि नहीं की, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि प्रोजेक्ट समय पर है। इसरो ने साल 2019 में चंद्रयान 2 लॉन्च किया था।

अंतरिक्ष विभाग के तहत आने वाली राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के बेंगलुरु स्थित मुख्यालय में एक वरिष्ठ अधिकारी ने को मीडिया को बताया था, 'चंद्रयान-3 मिशन जुलाई के दूसरे हफ्ते में निर्धारित है।' संभावनाएं जताई जा रही हैं कि 12 जुलाई को इसे लॉन्च किया जा सकता है।

इसरो के अधिकारियों के अनुसार, जहां लैंडर और रोवर पर इन वैज्ञानिक उपकरणों का दायरा 'चंद्रमा का विज्ञान' की 'थीम' पर काम करेंगे। वहीं एक अन्य प्रायोगिक उपकरण चंद्रमा की कक्षा से पृथ्वी के 'स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्रिक सिग्नेचर' का अध्ययन करेगा, जो 'चंद्रमा से विज्ञान' थीम के अनुसार होगा।

मीडिया रिपोर्ट्स में अधिकारियों के हवाले से बताया जा रहा है कि अंतरिक्ष यान लूनर साउथ पोल के पास सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश करेगा। इतना ही नहीं चंद्रयान 3 का मुकाबला रूसी यान लूना 25 के साथ भी होगा। लूना 25 को 13 जुलाई को लॉन्च किए जाने की तैयारी की जा रही है। बीते साल दिसंबर में 'अबू धाबी स्पेस डिबेट' के दौरान बताया था, '2013 में भारत के मार्स ऑर्बिटर मिशन के सफल लॉन्च के अलावा, भारत ने चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 के नाम से जाने जाने वाले अपने मिशन को चंद्रमा पर भेजने का दो बार प्रयास किया है। चंद्रमा के लिए तीसरा उपग्रह मिशन, चंद्रयान-3 अगले साल लॉन्च किया जाएगा।'

बताया जा रहा है कि चंद्रयान 2 में ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर थे। वहीं, इस स्पेस प्रोग्राम के तीसरे चरण में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल होगा। फिलहाल, चंद्रयान 3 की लॉन्चिंग को लेकर तैयारियां जारी हैं। मार्च में ही इससे जुड़ी सभी टेस्टिंग कर ली गई हैं। चंद्रयान 3 चांद की सतह से नमूने इक`_, भूकंपीय गतिविधियों को रीडिंग्स जैसे कई काम कर सकेगा।

चंद्रयान 3 चांद की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग और घूमने की क्षमता का प्रदर्शन करेगा। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने हाल ही में कहा था, 'चंद्रयान 3 का मुख्य उद्देश्य लैंडिंग है। इसके लिए बहुत काम किया गया है, जिसमें नए उपकरण बनाना, बेहतर एल्गोरिद्म तैयार करना और फेलियर मोड्स का ध्यान रखना है।'

चारधाम यात्रा में एसडीआरएफ बनी देवदूत, रास्ता भटकने वाले कई यात्रियों को किया रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से ही पुलिस यात्रियों की हर संभव मदद कर रही है जिससे उनकी यात्रा सुगम हो सके। एक ओर मौसम की बेरुखी के चलते जहां यात्रा प्रभावित हो रही है तो वहीं उत्तराखंड एसडीआरएफ श्रद्धालुओं के लिए देवदूत बनी हुई है।

सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम यात्रियों की मदद के लिए मौके पर पहुंच रही है। चारधाम यात्रा पर नोएडा से केदारनाथ आया एक श्रद्धालु गरुड़ चट्टी में रास्ता भटक गया। सूचना मिलते ही उत्तराखंड एसडीआरएफ की टीम ने 'देवदूत' बनकर श्रद्धालु को रेस्क्यू किया। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम यात्री को मुख्य मार्ग पर लेकर पहुंची।

उधर प्रशासन द्वारा मौसम खराब होते ही यात्रियों को पड़ावों पर रोका जा रहा है। मौसम साफ होने के बाद यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए भेजा जा रहा है। कई बार यात्री चारधाम यात्रा मार्ग पर रास्ता भटक जाते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम तलाश के लिए निकल पड़ती है और यात्रियों को दुर्गम रास्तों से रेस्क्यू कर मदद करती है।

गंगा नदी में बड़ा हादसा, 30 सवारों से भरी नाव पलटी- 4 की मौत और कई लापता

बलिया (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बलिया इलाके में बड़ा हादसा हुआ है। यहां पर एक नाव गंगा नदी में पलट गई है, घटना में 4 महिलओं का मौत हो गई है। नाव में 30 लोग सवार थे। बलिया के माल्देपुर गंगा घाट पर यह हादसा पेश आया है। घटना के बाद राहत और बचाव अभियान छेड़ा गया है। नाव पलटने के बाद कुछ लोग तो बाहर निकल आए हैं, लेकिन कई महिलाएं बह गई हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। रेस्क्यू आपरेशन चलाया जा रहा है और मौके पर डीएम बलिया मौजूद हैं। घटना में चार लोगों की हालात गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

जानकारी के अनुसार, बलिया के खेजुरी थाना के एक गांव की महिलाएं नाव में सवार थी। ओहार परम्परा के तहत ये लोग बड़ी संख्या में जुटे हुए थे। इस परंपरा में नाव से गंगा पार करने का चलन है, इसलिए महिलाएं और पुरुष नाव से गंगा पार कर रहे थे और अचानक नाव पलट गई। गनीमत रही कि हादसे वाली जगह रस्सी बंधी थी और रस्सी पकडक़र कुछ पुरुष बाहर आ गए, लेकिन महिलाएं गंगा धार में फंस गई।

महिला समेत पांच गिरफ्तार, बंद घरों में करते थे चोरी, 3 लाख नई करेंसी, सोने चांदी के सिक्के, विदेशी करेंसी और एंटीक बरामद

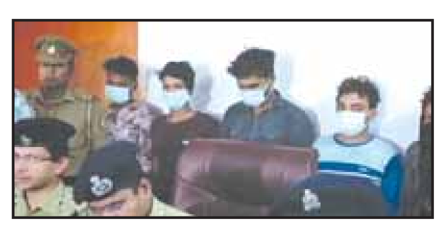

नोएडा (आरएनएस)। एनसीआर के बंद पड़े मकानों का ताला तोडक़र चोरी करने वाले एक पूरे गैंग को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस गैंग में एक महिला समेत पांच लोग शामिल है। जिनके निशाने पर पॉश सोसायटी और सेक्टर के मकान थे। ये लोग ऑटो से रैकी करते थे। जिसके बाद घटना को अंजाम देते थे। डीसीपी हरीष चंदर ने बताया क इनकी गिरफ्तारी छोटा डी पार्क सेक्टर-62 से हुई है।

डीसीपी ने बताया कि इनके कब्जे से नकद 3 लाख 46 हजार रुपये (नई करेंसी) और करीब 74 हजार 500 रुपये (पुरानी करेंसी), सोने/चांदी की ज्वैलरी, सिक्के, मोबाइल फोन, घरेलू बर्तन, कपड़े, देवी देवताओ की मूर्तियां व भिन्न-भिन्न देशो के सिक्के व विदेशी यूरो, घडिय़ां, भिन्न-भिन्न मुकदमों से सम्बन्धित व घटना में प्रयुक्त ऑटो बरामद हुए हैं।

डीसीपी ने बताया कि 2022 से ये गैंग एक्टिव था। नोएडा के अलावा गाजियाबाद व अन्य शहरों में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए डाटा एकत्र किया गया, पुलिस टीम के द्वारा लगभग 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई। बीट पुलिसिंग व लोकल इंटेलिजेंस के माध्यम से जानकारी एकत्र की गयी। जिसके बाद इनको गिरफ्तार किया गया।

इनकी पहचान जुबैर, मशील, मौहम्मद मिन्हाज आलम, मुरसलीम उर्फ मुरु और गुलफसा हुई है। ये सभी काफी शातिर है। डीसीपी ने बताया कि ये लोग पहले सुनसान जगहों पर बन्द पड़े मकानों की दिन में रैकी कर लेते थे। उसके बाद रात को उसी घर का ताला तोडक़र कीमती सामान व सोने,चांदी के जेवर चुरा लेते थे।

चोरी किया गया सामान ये लोग सेक्टर-31 नोएडा में अपने साथी मुरसलीम उर्फ मुरु(कबाड़ का काम करने वाला) को बेच देते थे। सोना चांदी का सामान अपने पास भी रख लेते है। इनसे बरामद सामान के बारे में पूछताछ पर जानकारी हुई कि जो चांदी, सोने, कपडे, घडियां, मोबाइल आदि सामान मिला है वो इन चारों ने मिलकर नोएडा के अलग-अलग जगहों से बन्द फ्लैटो से चोरी किये है। एक बैग में पेचकस, कटर, ड्रिल मशीन, शीशा काटने वाले कटर, गैस कटर आदि सामान मिला है।

तीन राज्य, 102 केस, दो दशकों से मोस्ट वांटेड; नेपाल से दबोचे गए इस दहशतगर्द से सात दिनों तक होगी पूछताछ

रांची (आरएनएस)। एनआईए कोर्ट ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के सुप्रीमो दिनेश गोप से पूछताछ के लिए सात दिनों की रिमांड मंजूर कर ली है। दो दशकों तक मोस्ट वांटेड रहे इस दहशतगर्द के खिलाफ झारखंड, बिहार, उड़ीसा में 102 वारदात दर्ज हैं। झारखंड में पांच-सात जिलों में तो दिनेश की जुबान से निकला फरमान अघोषित कानून बन जाता था। उसके नाम की दहशत इस कदर थी कि खूंटी, सिमडेगा, गुमला जैसे जिलों में अगर दिनेश और उसके संगठन पीएलएफआई की ओर से कोई संदेश आ गया, तो बड़ा से बड़ा शख्स भी उसकी हुक्मउदूली नहीं कर सकता था। इन जिलों में पंचायत और जिला परिषद से लेकर विधायक तक के चुनाव का फैसला दिनेश के हुक्म से प्रभावित होता था। आलम यह कि जब पीएलएफआई संगठन बंद का ऐलान करता था, तो इन जिलों में जीवन पूरी तरह थम जाता था।

पुलिस महकमा उसके लिए डीजी कोडवर्ड का इस्तेमाल करता था, लेकिन पूरे विभाग के पास उसकी एक अदद प्रामाणिक तस्वीर उपलब्ध नहीं थी। उसकी जिस तस्वीर के साथ पुलिस ने 25 लाख और एनआईए ने पांच लाख के ईनाम का इश्तेहार जारी किया था, वह भी उसे चेहरे से मेल नहीं खाता। हालांकि पुलिस और एनआईए की लगातार दबिश की वजह से उसने पिछले डेढ़ साल से नेपाल में पनाह ले रखी थी। इस बार इंटेलिजेंस इनपुट पुख्ता निकला और उसे नेपाल में ही दबोच लिया गया। कल उसे रांची लाया गया था। अब अगले सात दिनों तक उससे होने वाली पूछताछ बेहद अहम मानी जा रही है। एनआईए और पुलिस की पूछताछ में टेरर फंडिंग के उसके नेटवर्क, उसके राजनीतिक कनेक्शंस, अवैध निवेश, राजनीतिक-गैर राजनीतिक हत्याओं, अवैध हथियारों के कारोबार सहित कई अन्य मामलों में चौंकाने वाले खुलासे की उम्मीद की जा रही है।

दिनेश गोप नेपाल में सिख की वेशभूषा में रह रहा था। टेरर फंडिंग मामले की जांच कर रही एनआईए ने 30 जनवरी 2022 को दिनेश गोप की दोनों पत्नियों हीरा देवी और शकुंतला कुमारी को गिरफ्तार किया था। दोनों के खिलाफ लेवी-रंगदारी के रुपयों को शेल कंपनियों में निवेश करने के आरोपों की पुष्टि हो चुकी है। इससे पूर्व पुलिस ने रांची के बेड़ो में 10 नवंबर 2016 को दिनेश गोप के 25 लाख 38 हजार रुपए जब्त किए गए थे। एनआईए ने भी दिनेश गोप के सहयोगियों के पास से 42.79 लाख व करीब 70 लाख रुपए की अन्य चल-अचल संपत्ति जब्त की थी। अब तक दो दर्जन से अधिक बैंकों में दिनेश गोप के पारिवारिक सदस्यों और दोनों पत्नियों के माध्यम से 2.5 करोड़ रुपए के निवेश की जानकारी भी मिल चुकी है।

वर्ष 2016 में नोटबंदी के ठीक बाद दिनेश गोप ने अवैध तरीके से उगाहे गए 25.38 लाख रुपये एसबीआई रांची के बेड़ो शाखा में एक पेट्रोल पंप संचालक के जरिए जमा करवाने की कोशिश की थी। रांची पुलिस ने इस मामले में पेट्रोल पंप संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में एनआईए ने 19 जनवरी 2018 को केस टेकओवर किया था। इसके बाद एनआईए ने दिनेश गोप के सहयोगी सुमंत कुमार समेत अन्य के ठिकानों से 90 लाख नकदी और निवेश संबंधी कागजात बरामद किये थे।

बिजली के खंभे से टकराया हेलीकॉप्टर, हादसे में दो पायलटों की मौत

काबूल। अफगानिस्तान में वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर गश्त लगाने के दौरान तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई है। अफगानिस्तान के रक्षा विभाग के मुताबिक, उत्तरी समांगन प्रांत के पास गश्त करने के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। जिसमें हेलीकॉप्टर सवार दो पायलटों की मौत हो गई।

तालिबान के रक्षा विभाग ने इस हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि वायुसेना का एमडी-530 हेलीकॉप्टर एक हाईवोल्टेज वाले बिजली के खंभे से टकरा गया था। इसकी वजह से हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खराबी आ गई और यह क्रैश होकर गिर पड़ा। हादसे में दोनों पायलटों की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, समांगन प्रांत के खुल्म जिले में ये हादसा हुआ। अफगानिस्तान में तालिबान के सूचना विभाग के प्रमुख ने भी हादसे की पुष्टि कर दी है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि ये पहला सैन्य हेलीकॉप्टर हादसा नहीं है। इससे पहले भी कई बार तकनीकी खराबी के चलते कई हेलीकॉप्टर हादसे हो चुके हैं। इन हादसों में कई पायलटों की मौत हो चुकी है।

अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से ही वायुसेना के कई हेलीकॉप्टर अज्ञात कारणों के चलते हादसों का शिकार होते रहे हैं। इन हादसों की जांच में तकनीकी खराबी की वजह साफ नहीं हो पाई है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, सेना लौटी; इंफाल में लगा कर्फ्यू

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राजधानी इंफाल में फिर से हिंसा भडक़ उठी है। स्थिति को देखते हुए शहर में दोबारा कर्फ्यू लगा दिया गया है और सेना को वापस बुला लिया गया है। हिंसा प्रभावित शहर में कई दिनों की शांति के बाद आज सोमवार की दोपहर फिर से दोनों समुदायों में संघर्ष देखने को मिला।

सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राज्य की राजधानी इंफाल के न्यू चेकॉन इलाके में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच सोमवार की दोपहर मारपीट हुई। स्थानीय बाजार में एक जगह को लेकर दोनों समुदायों के बीच झड़प शुरू हुई जिसने देखते ही देखते भीषण रूप ले लिया। इलाके में आगजनी होने लगी। ऐसी खबरें आने के बाद प्रशासन ने राजधानी में कर्फ्यू घोषित कर दिया है।

बता दें कि मणिपुर एक महीने से अधिक समय से कई मुद्दों के कारण जातीय संघर्षों झेल रहा है। इसी महीने की शुरुआत में पहाड़ी राज्य में तब झड़पें शुरू हुई थीं, जब आदिवासियों ने अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में 3 मई को एकजुटता मार्च निकाला था। एक सप्ताह से अधिक समय से चली हिंसा में 70 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा प्रभावित इलाकों में उपद्रवियों ने करोड़ों की सरकारी संपत्ति को आग लगा दी थी। हिंसा की वजह से हजारों लोगों को अपने घरों को छोडऩे के लिए मजबूर होना पड़ा था।

पूर्वोत्तर राज्य में हालात काबू में करने के लिए सेना तथा अर्द्धसैनिक बलों के करीब 10,000 कर्मियों को तैनात करना पड़ा। हिंसा की शुरुआत आरक्षित वन भूमि से कुकी ग्रामीणों को बेदखल करने के बाद कई छोटे-छोटे आंदोलन हुए, जिसके बाद झड़पें हुईं।

पीएम मोदी को मिला फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पापुआ न्यू गिनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 दिवसीय 3 देशों के दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने सबसे पहले जापान में त्र-7 समिट में हिस्सा लिया। वहीं उसके बाद पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी रवाना हो गए। पापुआ न्यू गिनी में पीएम मोदी का भव्य स्वागत हुआ। वहीं अब फिजी ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है। पीएम मोदी की लीडरशिप को देखते हुए फिजी ने अपने सर्वोच्च सम्मान 'कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया है।

दूसरी ओर प्रशांत के द्वीप देश रिपब्लिक ऑफ पलाऊ के राष्ट्रपति सुरंगेल एस. व्हिप्स जूनियर ने पीएम मोदी को एबाकल अवॉर्ड से सम्मानित किया। दोनों नेताओं की यह बैठक फिपिक समिट से इतर हुई।

गौरतलब है कि रविवार को सबसे पहले पीएम मोदी एपीईसी हाउस पहुंचे, जहां पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मरापे ने उनका स्वागत किया।

वहीं, पीएम मोदी की गवर्नर-जनरल सर बॉब डाडे से भी मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-पापुआ न्यू गिनी संबंधों के बीच विकास साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पापुआ न्यू गिनी में 'थिरुक्कुरल' पुस्तक के टोक पिसिन अनुवाद का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन से इतर सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मनश्शे सोगावारे के साथ शानदार मुलाकात की।

पापुआ न्यू गिनी में पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर समोआ के पीएम फियामे नाओमी माताफा के साथ चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके कहा कि जापान से पापुआ न्यू गिनी तक बातचीत जारी है। सम्मेलन में कुक आइलैंड्स के पीएम मार्क ब्राउन को फिर से देखकर अच्छा लगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पापुआ न्यू गिनी में पीआईएफ (पैसिफिक आइलैंड्स फोरम) के महासचिव हेनरी पुना से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि उनकी आज किरिबाती गणराज्य के राष्ट्रपति तनेती मामाउ के साथ शानदार बातचीत हुई। पीएम ने कहा कि हमने अपने राष्ट्रों के बीच संबंधों को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने मार्शल आइलैंड्स गणराज्य के मंत्री कितलांग कबुआ से मुलाकात की।